

साहित्यदर्पणसूचीपत्रम् ।

| प्रकरणम् | परिच्छेदसंख्या । | कारिकासंख्या । |
|--------------------------------------|------------------|----------------|
| रसस्य स्वप्रकाशत्वाखण्डत्वसिद्धिः .. | ३ | ६० |
| रसस्यानुकर्तृगतत्वनिरासः | ३ | ५६ |
| रसस्यालौकिकत्वसहृदयसंवेदकत्वकथनं | ३ | ५६ |
| रसस्वरूपतदास्वादप्रकारौ | ३ | ३३ |
| रसानां परस्परविरोधः | ३ | ४२ |
| रसास्वादे विभावादीनामेकाकारता | ३ | ४६ |
| रसोद्बोधे विभावादीनां कारणत्वकथनं | ३ | ४५ |
| रासकलक्षणं | ६ | ५४८ |
| रूपकनामकदृश्यकाव्यभेदाः | ६ | २३५ |
| रूपकालङ्कारस्वरूपभेदलक्षणानि .. | १० | ६६६—६७८ |
| ल | | |
| लक्षणभेदाः | २ | २१ |
| लक्षणलक्षणा | २ | १५ |
| लक्षणाश्रया व्यञ्जना | २ | २६ |
| लक्षणावृत्तिकथनं | २ | १३ |
| लक्षणा सारोपाध्यवसाना | २ | १७ |
| ललितं, नायिकालङ्कारः | ३ | १४४ |
| लाटानुप्रासः, अलं | १० | ६३८ |
| लास्याङ्गभेदास्तत्तल्लक्षणानि च .. | ६ | ५०४—६ |
| लीला, नायिकालं | ३ | १३६ |
| व | | |
| वक्रोक्तिः, अलं | १० | ६४१ |
| वत्सलरसः | ३ | २४१ |
| वाक्यस्वरूपं | २ | ६ |
| वासकसज्जालक्षणं | ३ | १२० |
| विकल्पालङ्कारः | १० | ७३८ |
| विद्यतं, नायिकालं | ३ | १४६ |